

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2534

दिनांक 05 अगस्त, 2025

डीएआरई को बजट आवंटन

2534. श्री मनीश तिवारी :

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दस वर्षों में केंद्रीय बजट में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई) के लिए बजट आवंटन और वास्तविक व्यय का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) कृषि क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की महत्वपूर्ण आवश्यकता के बावजूद डीएआरई के लिए बजट आवंटन सीमित रहने के क्या कारण हैं;

(ग) अप्रत्याशित मौसम, श्रमिकों की कमी और फसल रोगों जैसी चुनौतियों के बावजूद, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उन्नत प्रौद्योगिकियों को सीमित रूप से अपनाने के क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार ने कृषि उत्पादन और किसानों की आय पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी हस्तक्षेप के प्रभाव को मापने के लिए कोई स्वतंत्र मूल्यांकन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ड.) सरकार द्वारा देश भर के छोटे और सीमांत किसानों के लिए कृषि में तकनीकी प्रगति सुलभता और किफायत सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वित उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) एवं (ख) : कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) का बजट आवंटन एवं व्यय निम्नवत है:

(रूपये करोड़ में)

वर्ष	बजट आवंटन	वास्तविक व्यय
2015-16	5586.00	5572.90
2016-17	6238.00	5995.21
2017-18	6992.00	6989.92
2018-19	7952.73	7943.59
2019-20	7846.17	7844.98
2020-21	7762.38	7685.52
2021-22	8513.62	8439.94
2022-23	8658.89	8578.17
2023-24	9876.60	9804.39
2024-25	10156.35	10091.23

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) का बजट आवंटन कोविड-19 महामारी से प्रभावित अवधि को छोड़कर पिछले 10 वर्षों (वर्ष दर वर्ष आधार पर) के दौरान बढ़ा है।

(ग) : भारत में किसान ड्रोन, प्रिसिजन खेती और स्वचालित सिंचाई एवं फर्टीगेशन प्रणालियों जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपना रहे हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र, एग्रीटेक स्टार्टअप्स के साथ, कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस दिशा में सरकार की कुछ पहल नीचे दी गई हैं:

- किसान-ई-मित्र और एक एआई-संचालित चैटबॉट, जो किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि (पीएमकिसान) से संबंधित प्रश्नों में सहायता प्रदान करता है और अन्य सरकारी कार्यक्रमों में सहायता के लिए विकसित हो रहा है।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने कृषि में एआई पर उत्कृष्टता के एक वर्चुअल केंद्र की स्थापना की है और एआई-डिस्क (फसल रोगों की पहचान के लिए) तथा एआई-दिशा (पशुधन रोगों के निदान के लिए) जैसे मोबाइल एप्लिकेशन विकसित कर रहा है।
- जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले उपज के नुकसान पर नज़र रखने के लिए राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली।
- उपग्रह, मौसम और मृदा नमी डेटासेट का उपयोग करके फसल स्वास्थ्य मूल्यांकन और फसल निगरानी के लिए फ़ील्ड फ़ोटो का उपयोग करके एआई आधारित विश्लेषण। यह उपकरण 61 फसलों और 400 से अधिक नाशीजीव संयोजनों का समर्थन करता है और वर्तमान में 10,000 से अधिक विस्तार कर्मियों द्वारा इसका उपयोग किया जाता है।

(घ) : आईसीएआर-एनआईएपी, नई दिल्ली द्वारा उत्तर प्रदेश में खरीफ 2024 के दौरान 'कृषि में ड्रोन तकनीक के लाभ' शीर्षक पर किए गए एक अध्ययन में धान की उपज में 4.1% और गन्ने की उपज में 1.6% की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त, ड्रोन का उपयोग करके छिड़काव (स्प्रे) की श्रम लागत पारंपरिक विधियों की तुलना में 31.4% कम पाई गई।

(इ) : सरकार ने छोटे और सीमांत किसानों के लिए प्रौद्योगिकी की सुलभता (पहुंच) सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख पहल शुरू की हैं। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की कुछ स्कीमें/पहलें इस प्रकार हैं:

- (i) डिजिटल कृषि मिशन, जो उन्नत फसल निगरानी, मृदा (सॉइल) प्रोफाइलिंग, वास्तविक समय मौसम पूर्वानुमान, और निर्णय समर्थन के लिए एआई, बिग डेटा, भू-स्थानिक विश्लेषण, ब्लॉक चेन और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करता है।
- (ii) कृषि मशीनीकरण पर उप-मिशन (SMAM), एसएमएएम के तहत कस्टम हायरिंग केंद्रों (CHCs) का प्रावधान, तथा 'ड्रोन दीदी' और 'किसान ड्रोन' के लिए सहयोग।
- (iii) विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किफायती कृषि मशीनरी को प्रोत्साहन, सरकार छोटी भूमि जोतों के लिए उपयुक्त कम लागत वाले, प्रभावी कृषि उपकरणों के निर्माण और वितरण को बढ़ावा देती है। ऐसे उपकरण खरीदने के लिए किसानों और उद्यमियों को सब्सिडी (आर्थिक सहायता) प्रदान की जाती है।
- (iv) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (ATMA) के अंतर्गत 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (KVK) के नेटवर्क के माध्यम से क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास, जहाँ प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, प्रदर्शन और क्षमता विकास कार्य किए गए हैं। कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) गुणवत्तापूर्ण बीजों, रोपण सामग्री, फिंगरलिंग्स, उन्नत पशु और कुक्कुट जर्मप्लाज्म के उत्पादन और आपूर्ति के माध्यम से उन्नत तकनीकों के लिए इनपुट सहायता भी प्रदान करते हैं।
